

१ नाप्रिम्भम न पूजा अ न व ल ॥ ॥ दिग्वंश न ना उ न की ल न न कु ॥ ॥ ॐ वंज व नाल
की ल य रुं द टा ॥ पूर्वा ॥ ॥ ॐ वंज कं काल वंश य रुं द टा ॥ दक्षिणा ॥ ॥ ॐ वंज च वृ म ह
स न मूर्धा ल स्त्रो ट य ग्र ह २ रुं द टा ॥ पश्चिमा ॥ ॥ ॐ वंज मूर्धा न क ह २ क न २ वंश २ रुं
द टा ॥ उरु नो ॥ ॥ ॐ वंश म ह नो वंश मी पुं न रु २ मा न य २ वंश २ रुं द टा २ रुं द टा की

लेखनसर्वदृष्टिपदज्ञानकिनीनामपदवंग्रहणविगमवाद्यानुरूपविरचित
सुधकीलेखनसर्वदृष्टिपदमनुमनुनाङ्गना। उँआः ह्रीं॥ भूधुर्धसंगतनमनु॥
लोहजागृजन्मनास्यकायाधमनुनयूया। लोकानिनाद्याय। दिगादिगत।
भूधुर्धसंगतनय। गाययाय। पूजायाय। पंचाङ्गनापनायानायारुना॥